

ITADC TEXDESK

• E - NEWSLETTER •

SEPTEMBER 2026

वस्त्र आयुक्त कार्यालय, भारत सरकार का मासिक ई-न्यूज़लेटर

खंड 1 | अंक 4

वस्त्र प्रौद्योगिकी के अग्रणी विशेषज्ञों के लिए रुझान एवं फैशन पूर्वानुमान आईटीएडीसी की रुझान संबंधी जानकारी एवं डिज़ाइन क्षमताओं को सुदृढ़ बनाना



मुंबई स्थित वस्त्र आयुक्त कार्यालय ने VisionNxt, NIFT चेन्नई के सहयोग से दिनांक 24-25 अगस्त 2026 को NIFT, खारघर, मुंबई में “रुझान एवं फैशन पूर्वानुमान” विषय पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देशभर के आईटीएडीसी से 40 अधिकारी एवं तकनीकी कार्मिक शामिल हुए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य रुझान संबंधी जानकारी, फैशन पूर्वानुमान, डिज़ाइन दिशा-निर्धारण, रंग एवं सामग्री पूर्वानुमान, डिजिटल उपभोक्ता अंतर्दृष्टि तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित पूर्वानुमान उपकरणों के क्षेत्र में संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करना था। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को उभरते हुए रुझानों को व्यावहारिक रूप से समझने तथा उन्हें वस्त्र क्लस्टरों एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिए उपयोगी सहयोग में परिवर्तित करने में सक्षम बनाया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती वृंदा मनोहर देसाई, वस्त्र आयुक्त, द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. सर्वेश्वर एन. भुरे, संयुक्त वस्त्र आयुक्त; डॉ. अजीत कुमार खरे, निदेशक, NIFT, मुंबई परिसर; तथा श्री अश्विनी कुमार पांडे, निदेशक एवं क्षेत्रीय अधिकारी, नवी मुंबई उपस्थित रहे।



NIFT के संकाय सदस्यों द्वारा संचालित विशेषज्ञ सत्रों में रुझान एवं फैशन चक्र, वैश्विक फैशन प्रणाली एवं वस्त्र मूल्य श्रृंखला, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं स्थिरता संबंधी कारक, उभरते संकेत, क्लस्टर-स्तरीय डिज़ाइन अनुप्रयोग तथा AI आधारित पूर्वानुमान जैसे विषयों को शामिल किया गया।

प्रतिभागियों ने व्यावहारिक अभ्यासों में भाग लेते हुए रुझान दिशानिर्देश, रंग एवं सामग्री संबंधी अवधारणाएँ, मूड बोर्ड, वस्त्र अनुप्रयोग रणनीतियाँ तथा क्लस्टर-उन्मुख डिज़ाइन कार्यान्वयन योजनाएँ विकसित कीं।

कार्यक्रम का समापन समापन सत्र में मुख्य अतिथि **सुश्री आरती कंवर, अपर सचिव (वस्त्र), वस्त्र मंत्रालय**, की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

यह पहल वस्त्र क्लस्टरों एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को बाज़ार-उन्मुख, डिज़ाइन-आधारित एवं भविष्य के लिए तैयार सहयोग प्रदान करने में आईटीएडीसी (ITADCs) की विकसित होती भूमिका को और सुदृढ़ करती है। **सुश्री आरती कंवर** ने इस पहल की सराहना करते हुए पूर्वानुमानित रुझानों के प्रसार पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने तथा इन रुझानों को मासिक ई-न्यूज़लेटर में शामिल करने पर जोर दिया।



मालेगांव के वस्त्र क्लस्टर के लिए आईटीएडीसी सहयोग को सुदृढ़ बनाना



श्री अजय पंडित, अतिरिक्तवस्त्र आयुक्त, ने एकीकृत वस्त्र एवं परिधान विकास केंद्र (ITADC), मालेगांव का दौरा किया, जहाँ ITADC-मालेगांव की टीम द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दौरे के दौरान उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली की समीक्षा की तथा मालेगांव के विकेंद्रीकृत वस्त्र क्लस्टर से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने वस्त्र क्लस्टर की बदलती आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए ITADC की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों के पुनर्गठन हेतु भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने प्रशिक्षण एवं परीक्षण प्रयोगशाला की मशीनरी को कार्यशील स्थिति में बनाए रखने के लिए ITADC टीम के प्रयासों की सराहना की तथा कर्मचारियों की कमी के बावजूद केंद्र के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए टीम की प्रशंसा की। उन्होंने केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं से भी संवाद किया तथा दौरे के समापन पर प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

नागपुर में TSRS पोर्टल जागरूकता एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन



भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के वस्त्र आयुक्त कार्यालय के तत्वावधान में ITADC, नागपुर में वस्त्र सांख्यिकीय रिटर्न प्रणाली (TSRS) पर जागरूकता एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती वृन्दा मनोहर देसाई, IRS, वस्त्र आयुक्त, भारत सरकार, मुंबई की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने नए सरल TSRS पोर्टल की आवश्यकता एवं इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह पोर्टल वस्त्र इकाइयों के ऑनलाइन पंजीकरण तथा वार्षिक एवं मासिक सांख्यिकीय विवरण प्रस्तुत करने के लिए एक एकीकृत डिजिटल मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे विश्वसनीय आंकड़ों के संग्रहण एवं साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण में सहायता मिलेगी। वस्त्र आयुक्त ने वस्त्र उद्योग से जुड़े हितधारकों एवं विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने TSRS के कार्यान्वयन से संबंधित अपने सुझाव एवं विचार साझा किए।

हितधारकों को अपना पंजीकरण पूर्ण करने तथा आवश्यक जानकारी समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने की सलाह दी गई। सटीक आंकड़ों के प्रस्तुतिकरण एवं TSRS के व्यापक उपयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि वस्त्र सांख्यिकीय विवरण प्रस्तुत करना सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम, 2008 के अंतर्गत अनिवार्य है, तथा सभी वस्त्र इकाइयों से इसका अनुपालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। संवाद के दौरान उद्योग के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। हितधारकों को आश्वस्त किया गया कि उनकी चिंताओं एवं समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उचित रूप से उठाया जाएगा। श्रीमती वृन्दा मनोहर देसाई ने ITADC, नागपुर के प्रशिक्षुओं से भी संवाद किया तथा उन्हें प्रमाण-पत्र वितरित किए और कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम ने डिजिटलीकरण, विश्वसनीय वस्त्र क्षेत्रीय आंकड़ों, हितधारक सहभागिता तथा नागपुर में वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया।

उद्योग-उन्मुख शिक्षण: कक्षा के ज्ञान और औद्योगिक कार्यप्रणाली के बीच सेतु

सुतलेज इंडस्ट्रीज, दाहेली (भिलाड़ के निकट) का औद्योगिक भ्रमण



7 अगस्त 2026 को ITADC पांडेसरा और ITADC सचिन द्वारा वस्त्र प्रसंस्करण एवं बेसिक वीविंग पाठ्यक्रमों के 14 विद्यार्थियों के लिए सुतलेज इंडस्ट्रीज, दाहेली (भिलाड़ के निकट) का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का समन्वय श्री अक्षय सिंह चौहान, श्री मनीष पटेल एवं श्री दीपांकर दास द्वारा किया गया। विद्यार्थियों का स्वागत श्री योगेश, सहायक प्रबंधक, मानव संसाधन, सुरक्षा एवं प्रशासन तथा श्री किरण वाघ, सुरक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। कंपनी, उसकी विनिर्माण प्रक्रियाओं एवं कार्यस्थल की कार्यप्रणाली के परिचय के बाद विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE), सुरक्षित कार्यप्रणालियों एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रोटोकॉल से संबंधित विस्तृत सुरक्षा जानकारी दी गई। तकनीकी सत्रों में बुनाई, वस्त्र प्रसंस्करण एवं धागा रंगाई विभागों को शामिल किया गया। श्री अखिलेश मिश्रा, बुनाई प्रबंधक ने रैपियर बुनाई मशीनों, जैक्वार्ड बुनाई तकनीक, करघा तंत्र, डिज़ाइन विकास एवं गुणवत्ता संबंधी महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। श्री प्रताप सिंह, गुणवत्ता नियंत्रण प्रमुख ने वस्त्र प्रसंस्करण की विभिन्न प्रक्रियाओं एवं गुणवत्ता नियंत्रण उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की। वहीं, श्री बिजेन्द्र यादव, प्रमुख, धागा रंगाई ने धागा रंगाई तकनीकों, मशीनरी, प्रक्रिया मानकों एवं गुणवत्ता नियंत्रण की कार्यप्रणालियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों को सुतलेज इंडस्ट्रीज की एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला, जिसमें धागा रंगाई, बुनाई एवं वस्त्र प्रसंस्करण शामिल हैं, की व्यावहारिक समझ प्राप्त हुई। साथ ही, उत्पादन योजना, गुणवत्ता प्रबंधन तथा विनिर्माण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के बीच परस्पर संबंधों को भी समझने का अवसर मिला।

सफलता की कहानियाँ

प्रशिक्षु से प्रशिक्षक तक: सिलाई के माध्यम से स्वयं और दूसरों को सशक्त बनाना

श्रीमती जे. थंगामारी, SITRA ITADC, राजापालयम



श्रीमती जे. थंगामारी इस बात का प्रेरणादायक उदाहरण हैं कि कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण किस प्रकार आजीविका के अवसर सृजित करने के साथ-साथ व्यक्तियों को स्वयं तथा दूसरों को सशक्त बनाने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने SITRA ITADC, राजापालयम में समर्थ प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहाँ उन्होंने सिलाई मशीन संचालन एवं सिलाई-कढ़ाई में व्यावसायिक कौशल अर्जित किया। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद उन्होंने घर से स्वतंत्र रूप से कार्य करना शुरू किया। वे ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार चुड़ीदार, ब्लाउज़, बच्चों के गाउन एवं अन्य परिधानों की सिलाई करने लगीं। सिलाई कार्य के माध्यम से उन्हें नियमित आय प्राप्त होने लगी और वे अपने परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं में योगदान देने लगीं। उनकी यात्रा केवल अपनी आजीविका तक सीमित नहीं रही। उन्होंने अपने आसपास की लड़कियों एवं गृहिणियों के साथ सिलाई-कढ़ाई के अपने कौशल को साझा करना शुरू किया। इस पहल के माध्यम से उन्होंने उन्हें व्यावहारिक कौशल विकसित करने तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। बाद में, जब SITRA ITADC, राजापालयम को अपने कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षकों की आवश्यकता हुई, तो श्रीमती थंगामारी का चयन कर उन्हें अस्थायी अनुबंध के आधार पर प्रशिक्षक नियुक्त किया गया। वर्तमान में वे समर्थ एवं तमिलनाडु कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, जहाँ वे नए प्रशिक्षुओं के साथ अपने ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव को साझा कर रही हैं। प्रशिक्षक के रूप में कार्य करते हुए भी वे अपने उपलब्ध समय में सिलाई का कार्य जारी रखती हैं। वे चुड़ीदार, ब्लाउज़, बच्चों के गाउन एवं अन्य परिधानों के ऑर्डर लेकर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त आय अर्जित करती हैं।

पारंपरिक बुनकर से CAD डिज़ाइनर एवं जैक्वार्ड सेवा प्रदाता तक

श्री के. धनपाल, जैक्वार्ड डिज़ाइनर एवं कंप्यूटरीकृत जैक्वार्ड कार्ड पंचिंग केंद्र



श्री के. धनपाल पिछले पाँच वर्षों से मलेशियाई सोंगकेट (SONGKET) वस्त्रों के निर्माण में संलग्न एक पारंपरिक बुनकर हैं। अपने ज्ञान का विस्तार करने और अपने व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने की रुचि के साथ उन्होंने ITADC, कोमरापालयम में बेसिक डिज़ाइनिंग एवं CAD पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।

इस पाठ्यक्रम में बेसिक साड़ी डिज़ाइनिंग एवं CAD में व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। एक माह का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, श्री धनपाल ने अपने अर्जित कौशल का उपयोग अपने स्वयं के करघों के लिए डिज़ाइन तैयार करने में करना शुरू किया। उनके पास तीन हथकरघे हैं, जिन पर वे मलेशियाई सोंगकेट (SONGKET) वस्त्रों का निर्माण करते हैं। अपने व्यवसाय का और विस्तार करने के लिए उन्होंने CAD सॉफ्टवेयर खरीदा और अपने CAD कौशल का उपयोग करते हुए डिज़ाइन तैयार करना शुरू किया। प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव एवं आत्मविश्वास के आधार पर उन्होंने आगे चलकर कंप्यूटरीकृत जैक्वार्ड कार्ड पंचिंग मशीन तथा जैक्वार्ड कार्ड लेसिंग इकाई स्थापित की। वर्तमान में श्री धनपाल अपने स्वयं के उत्पादन के लिए डिज़ाइन तैयार करने के साथ-साथ अन्य बुनकरों एवं निर्माताओं को CAD डिज़ाइनिंग, जैक्वार्ड कार्ड पंचिंग एवं लेसिंग की जॉब-वर्क सेवाएँ भी प्रदान कर रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से अब वे प्रति माह ₹40,000 से अधिक की आय अर्जित कर रहे हैं। एक पारंपरिक बुनकर से CAD डिज़ाइनर एवं सेवा प्रदाता तक की उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि कौशल विकास, व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं उद्यमिता किस प्रकार आय के नए अवसर सृजित कर सकते हैं और पारंपरिक बुनकरों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

फोर-पॉइंट प्रणाली के माध्यम से वस्त्र गुणवत्ता मूल्यांकन का मानकीकरण



19 अगस्त 2026 को ITADC, सचिन में क्लस्टर समन्वय बैठक (CCMAC) का आयोजन किया गया। बैठक में MANTRA के निदेशक डॉ. पंकज गांधी के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में बार-बार होने वाले वस्त्र अस्वीकृति मामलों को कम करने तथा फोर-पॉइंट प्रणाली के माध्यम से बुने हुए वस्त्रों की गुणवत्ता के मानकीकृत मूल्यांकन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। बैठक में दोषों की पहचान एवं स्कोरिंग, स्वीकृति मानदंड, निरीक्षण प्रक्रियाएँ, मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) का विकास, कार्मिक प्रशिक्षण, दस्तावेजीकरण तथा आपूर्तिकर्ताओं के साथ संवाद जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। ITADC टीम के सदस्यों श्री अक्षयसिंह चौहान, श्री राकेश कोली, श्री दीपांकर दास एवं श्री मनीष पटेल ने उद्योग से जुड़े व्यावहारिक सुझाव एवं अनुभव साझा किए। अस्वीकृति एवं अपव्यय को कम करने, आपूर्तिकर्ताओं की जवाबदेही में सुधार, गुणवत्ता संबंधी विवादों को न्यूनतम करने तथा सूरत के वस्त्र उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से चरणबद्ध कार्यान्वयन का प्रस्ताव रखा गया। इसमें पायलट परीक्षण, क्लस्टर-स्तरीय कार्यान्वयन तथा समय-समय पर समीक्षा को शामिल किया गया।

सफलता की कहानियाँ

कौशल विकास से उद्यमिता तक: सिलाई के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण

श्रीमती श्वेता घोष, संस्थापक, श्वेता टेलरिंग, रानाघाट



श्रीमती श्वेता घोष ने ITADC, रानाघाट में सिलाई मशीन ऑपरेटर (SMO) पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, जहाँ उन्होंने परिधान सिलाई, कटिंग, सिलाई मशीन संचालन, फिनिशिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उनकी उद्यमशीलता संबंधी क्षमताओं को भी सुदृढ़ किया गया, जिसमें व्यवसाय प्रबंधन, ग्राहक संबंध एवं वित्तीय नियोजन जैसे विषय शामिल थे। प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित कौशल के आधार पर श्रीमती घोष ने श्वेता टेलरिंग की स्थापना की और अपने तकनीकी ज्ञान को स्थायी आजीविका के साधन में परिवर्तित किया। अपने सिलाई कार्य के माध्यम से वे नियमित दैनिक आय अर्जित कर रही हैं और अपने उद्यम को आर्थिक आत्मनिर्भरता के स्रोत के रूप में विकसित कर चुकी हैं। उनकी उद्यमशील यात्रा ने समुदाय के चार अन्य व्यक्तियों के लिए भी आजीविका के अवसर सृजित किए हैं, जिससे उनके प्रशिक्षण का प्रभाव उनके स्वयं के उद्यम से आगे बढ़कर अन्य लोगों तक भी पहुँचा है। श्रीमती श्वेता घोष की यात्रा ITADC, रानाघाट की कौशल विकास पहलों की उस भूमिका को दर्शाती है, जो आत्मनिर्भरता, उद्यमिता एवं सतत आजीविका को बढ़ावा देने में सहायक हैं। स्वयं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करके वे आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य तथा माननीय प्रधानमंत्री के कुशल, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे रही हैं।

सरकारी ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से बाज़ार पहुंच का विस्तार

वर्षणा सिल्क साड़ियाँ, सिरुमुगई, तमिलनाडु



वर्षणा सिल्क साड़ियाँ, सिरुमुगई, तमिलनाडु स्थित एक प्रतिष्ठान है, जो शुद्ध रेशम की साड़ियों के निर्माण एवं थोक बिक्री में संलग्न है। इस प्रतिष्ठान ने वर्ष 2019 में अपना संचालन शुरू किया और इसका प्रबंधन एक मास्टर बुनकर द्वारा किया जाता है, जिसके पास स्वयं के हथकरघे हैं। अपने स्वयं के हथकरघों पर उत्पादन करने के साथ-साथ यह प्रतिष्ठान अन्य हथकरघा बुनकरों को भी जॉब ऑर्डर प्रदान करता है, जिससे स्थानीय हथकरघा बुनाई समुदाय को सहयोग मिलता है। इसके अतिरिक्त, धोती एवं तौलियों के उत्पादन के लिए पावरलूम इकाइयों को भी जॉब ऑर्डर प्रदान किए जाते हैं। लगभग ₹2 करोड़ के वार्षिक कारोबार के साथ, वर्षणा सिल्क साड़ियाँ उच्च गुणवत्ता वाली शुद्ध रेशम की साड़ियों के निर्माण एवं थोक आपूर्ति में कार्यरत है। बाज़ार का विस्तार करने तथा सरकारी खरीद के अवसरों के माध्यम से बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से ITADC, इरोड ने वर्षणा सिल्क साड़ियाँ को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल पर पंजीकरण कराने में सहायता प्रदान की। इससे प्रतिष्ठान को संस्थागत एवं सरकारी व्यवसाय के लिए नए अवसर तलाशने में सहायता मिली।

तकनीकी परामर्श के माध्यम से वस्त्र विनिर्माण दक्षता में वृद्धि

FAB, जीआईडीसी सचिन, सूरत

5 अगस्त 2026 को ATIRA द्वारा FAB, GIDC सचिन, सूरत में तकनीकी मूल्यांकन दौरा किया गया। इसका उद्देश्य रेयॉन फिलामेंट, विस्कोस, लायोसेल (बिरला एक्सेल) एवं बैम्बर्ग से निर्मित ड्रेस मटेरियल की विनिर्माण प्रक्रियाओं की समीक्षा करना तथा उत्पादकता, गुणवत्ता एवं परिचालन दक्षता में सुधार हेतु सुझाव प्रदान करना था। इकाई में एक समग्र विनिर्माण व्यवस्था उपलब्ध है, जिसमें समर्पित यार्न स्टोर, TFO, अमृतलक्ष्मी साइजिंग एवं बीमिंग सुविधाएँ, रैबेटेक्स सेक्शनल वार्पिंग, टोयोटा एवं रेड फ्लैग एयर-जेट लूम, लक्ष्मी रैपियर लूम तथा 100% निरीक्षण सुविधा शामिल हैं। इकाई में प्रतिदिन औसतन 77 पिक्स तथा लगभग 26,000 मीटर उत्पादन दर्ज किया जाता है। आने वाली सामग्री, वार्पिंग, साइजिंग एवं बीमिंग के मूल्यांकन के दौरान ATIRA टीम ने पाया कि यार्न डेनियर एवं लॉट नंबर की जाँच, यार्न की कलर कोडिंग तथा सामग्री का रिकॉर्ड बनाए रखने की व्यवस्थाएँ लागू थीं। रिफ्रैक्टोमीटर का उपयोग करते हुए नियमित साइज पिक-अप जाँच भी की जा रही थी। परिचालन को और सुदृढ़ करने के लिए टीम ने मासिक डिस्पैच एवं उत्पादन योजना, दस्तावेजीकृत SOP एवं कार्य निर्देश, प्रत्येक चरण के रिकॉर्ड तथा संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया में बेहतर ट्रेसिबिलिटी की सिफारिश की। बुनाई चरण में इकाई में फर्स्ट-पीस निरीक्षण, गुणवत्ता निगरानी तथा AMC व्यवस्था के माध्यम से निवारक रखरखाव की प्रणालियाँ पाई गईं। सुझावों में व्यापक लूम चेकलिस्ट लागू करना, फर्स्ट-पीस निरीक्षण एवं गुणवत्ता निरीक्षण के दस्तावेज तैयार करना, रात्रि पाली में गुणवत्ता निगरानी को सुदृढ़ करना तथा लूम दक्षता में सुधार के लिए वार्प एवं वेफ्ट ब्रेकेज और मेंडिंग समय का व्यवस्थित विश्लेषण शामिल था। मूल्यांकन में संसाधन एवं लागत दक्षता में सुधार के अवसरों की भी पहचान की गई। इसके लिए कंप्रेसर की विद्युत खपत, वायु रिसाव, फ्रिज की लंबाई तथा बुनाई के दौरान होने वाले हार्ड वेस्ट की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया गया।

सफलता की कहानियाँ एवं तकनीकी परामर्श

ई-कॉमर्स के माध्यम से बाज़ार पहुंच का विस्तार
योगेश फैब्रिक्स, सोलापुर



WAFFLE WEAVE SPA COLLECTION
TERRY CLOTH PREMIUM RANGE

पारंपरिक तौलिया बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच **योगेश फैब्रिक्स, सोलापुर** ने विभिन्न आकारों एवं रंगों में मूल्यवर्धित टेरी एवं वॉफल बाथरोब तैयार कर अपने उत्पादों में विविधता लाई। प्रारंभ में इन उत्पादों की आपूर्ति ग्राहकों की मांग के आधार पर पारंपरिक ऑफलाइन माध्यमों से की जाती थी। बाज़ार पहुंच बढ़ाने तथा ऑफलाइन खरीदारों पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता को देखते हुए, BTRA ITADC, सोलापुर ने टेरी एवं वॉफल बाथरोब के लिए Amazon, Flipkart एवं सोशल मीडिया नेटवर्क के माध्यम से ई-कॉमर्स व्यवसाय स्थापित करने और उसका विस्तार करने में इकाई को सहयोग प्रदान किया। BTRA ITADC, सोलापुर ने उत्पादों में एकरूपता सुनिश्चित करने तथा ऑनलाइन खरीदारों की अनुपालन संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए वस्त्र परीक्षण एवं तकनीकी परामर्श सेवाएँ भी प्रदान कीं। इसके परिणामस्वरूप, इकाई को अब निरंतर ऑनलाइन ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं तथा बड़ी मात्रा में उत्पादों के लिए निर्यात संबंधी पूछताछ भी प्राप्त होने लगी है, जिससे व्यवसाय के विस्तार के नए अवसर सृजित हुए हैं। इस पहल ने एक स्थानीय MSME वस्त्र उद्यमी को प्रतिस्पर्धी वातावरण में अपने व्यवसाय में विविधता लाने, डिजिटल माध्यमों को अपनाने तथा अपने बाज़ार विस्तार को बढ़ाने में सक्षम बनाया है।

एक विकेंद्रीकृत वस्त्र इकाई का तकनीकी उन्नयन
मैसर्स रामचंद्र इम्पेक्स, श्री गिरीश माडस, सोलापुर



मैसर्स रामचंद्र इम्पेक्स, श्री गिरीश माडस के मार्गदर्शन में, पारंपरिक रूप से पावरलूम पर टेरी तौलियों के उत्पादन में संलग्न थी। बुनाई, तौलिया प्रसंस्करण एवं विपणन में व्यावहारिक अनुभव के साथ, श्री माडस ने उत्पादन संबंधी सीमाओं को दूर करने तथा उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। ITADC, सोलापुर से प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग के माध्यम से, इकाई ने आधुनिक क्रैंक बीट-अप फ्लेक्सिबल तकनीक को अपनाकर अपने तकनीकी उन्नयन की प्रक्रिया शुरू की।

इकाई ने लगभग 150 से 170 RPM की गति से संचालित होने वाले टेरी टॉवल रैपियर लूम से शुरुआत की। सकारात्मक परिणामों के आधार पर, इकाई ने आगे लगभग 250 से 300 RPM की गति से संचालित होने वाले कैम बीट-अप टेरी टॉवल रैपियर लूम को अपनाकर अपना तकनीकी उन्नयन किया। वर्तमान में इकाई लगभग 400 से 600 RPM की गति वाली एयर-जेट टेरी टॉवल लूम तकनीक की ओर भी अग्रसर है, जो निरंतर सुधार एवं उन्नत बुनाई प्रौद्योगिकी को अपनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह चरणबद्ध आधुनिकीकरण इकाई की तकनीकी क्षमता एवं उत्पादन स्तर को और बढ़ाने में सहायक होने की अपेक्षा है। ITADC, सोलापुर ने प्रौद्योगिकी के चयन, आधुनिकीकरण की योजना एवं तकनीकी मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके माध्यम से पारंपरिक विकेंद्रीकृत इकाई को क्रमिक रूप से आधुनिक तकनीक अपनाने, उत्पादकता बढ़ाने तथा अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता सुदृढ़ करने में सहायता मिली। मैसर्स रामचंद्र इम्पेक्स की यात्रा यह दर्शाती है कि तकनीकी हस्तक्षेप एवं उद्योग को निरंतर सहयोग प्रदान करने से सोलापुर के विकेंद्रीकृत वस्त्र क्षेत्र में तकनीकी उन्नयन एवं सतत विकास को गति दी जा सकती है। श्री गिरीश माडस क्षेत्र के विकेंद्रीकृत वस्त्र उद्योग के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं।

वस्त्र कपड़े के पुनः उत्पादन हेतु तकनीकी परामर्श
सैयद साहिब टेक्सटाइल्स, कडयानल्लूर, तेनकासी ज़िला, तमिलनाडु



सैयद साहिब टेक्सटाइल्स, कडयानल्लूर, तेनकासी ज़िला, तमिलनाडु ने विभिन्न फैब्रिक संरचनाओं एवं यार्न मिश्रण वाले तीन अलग-अलग ब्लीच किए हुए वस्त्र नमूनों के परीक्षण एवं तकनीकी परामर्श के लिए SITRA ITADC, राजापालयम से संपर्क किया। आवश्यकता यह निर्धारित करना थी कि ब्लीचिंग से पहले ग्रे (Greige) अवस्था में इन वस्त्रों के पुनः उत्पादन के लिए आवश्यक फैब्रिक काउंट, संरचना एवं अन्य विनिर्देश क्या होने चाहिए। SITRA ITADC, राजापालयम ने तीनों फैब्रिक नमूनों का अलग-अलग विस्तृत परीक्षण एवं विश्लेषण किया। मूल्यांकन के अंतर्गत वार्प एवं वेफ्ट यार्न काउंट, रीड एवं प्रति इंच पिक्स, फैब्रिक की चौड़ाई, GSM, यार्न मिश्रण की संरचना तथा संपूर्ण फैब्रिक निर्माण एवं विनिर्देशों का परीक्षण किया गया। परीक्षण परिणामों के आधार पर केंद्र ने प्रत्येक फैब्रिक के लिए उपयुक्त उत्पादन मानकों एवं बुनाई संबंधी आवश्यकताओं पर विस्तृत तकनीकी परामर्श प्रदान किया। मार्गदर्शन का मुख्य उद्देश्य आवश्यक काउंट, संरचना, यार्न मिश्रण एवं अन्य निर्धारित मानकों सहित वांछित ग्रे फैब्रिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना था। SITRA ITADC, राजापालयम द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सिफारिशों के आधार पर, सैयद साहिब टेक्सटाइल्स अब निर्धारित गुणवत्ता विनिर्देशों के अनुरूप इन फैब्रिक के उत्पादन की शुरुआत करने की तैयारी कर रहा है। यह तकनीकी परामर्श दर्शाता है कि तकनीकी परीक्षण एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन किस प्रकार वस्त्र इकाइयों को सटीक उत्पाद विनिर्देश प्राप्त करने तथा फैब्रिक के सफल पुनः उत्पादन में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

अंतर्दृष्टि संपादकीय



VISIONXT[®]
Intuition. Intelligence. Insight.

NIFT VisionNxt भारत की अग्रणी फैशन रुझान अंतर्दृष्टि एवं पूर्वानुमान पहल है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता तथा मानवीय अंतर्दृष्टि को एकीकृत करती है। NIFT की अनुसंधान, शैक्षणिक एवं नवाचार इकाई के रूप में, यह उभरते उपभोक्ता रुझानों, फैशन गतिविधियों तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संकेतों का विश्लेषण कर भारत-केंद्रित एवं वैश्विक पूर्वानुमान विकसित करती है। इसके माध्यम से वस्त्र एवं फैशन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भविष्य-उन्मुख जानकारी एवं अंतर्दृष्टि को सुदृढ़ किया जाता है। इसका कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) समर्थित पूर्वानुमान मॉडल 3 लाख से अधिक डेटा बिंदुओं पर आधारित है, जिससे प्राप्त अंतर्दृष्टियाँ 70,000 से अधिक पाठकों तक पहुँचती हैं।

NIFT VisionNxt द्वारा अवसर-आधारित परिधान (Occasionwear) के रुझानों की एक झलक

विषय:
भारतीय आंगन के प्रेम और आत्मीयता को समर्पित एक भक्तिपूर्ण भावांजलि, जहाँ पन्ना-रंगी तोते, चमेली की मालाएँ, मंदिर की अलमारियाँ और पैतृक लोककथाएँ ऐसे अवसर-आधारित परिधानों को प्रेरित करती हैं, जो परंपरा में गहराई से रचे-बसे हैं। आंगन कथा मिट्टी के रंगों की गर्माहट, मेहंदी से रंगे हाथों और शिल्पात्मक ड्रेप को अपनाते हुए उत्सवी परिधानों को जीवंत भक्तिमय झाँकियों में रूपांतरित करती है। प्रत्येक परिधान उस धरती की अनुभूति को अपने भीतर समेटे है, जहाँ से वह जन्म लेता है—घर की मिट्टी, धूप और उसकी कहानी को हर तह में संजोए हुए।



संकेतक बिंदु:



Indian Art Restitution and Cultural Diplomacy in 2026

As museums return Indian art looted from temples, restitution debates shift toward global access, power, and cultural diplomacy. What comes next?

संकेत 1 :

फ्रंटलाइन लेख

विरासत की पुनःप्राप्ति अब भू-राजनीतिक मुद्दा बन गई है; मंदिर और संग्रहालय, दोनों ही मूल स्वामित्व के अधिकार के लिए प्रयासरत हैं।



Heritage-Inspired Fashion in 2026: Craft, Culture, and Conscious Design Driving...

Heritage-inspired fashion in 2026 is defined by craftsmanship, cultural collaboration, and...

सिग्नल 2 :

द मेस्टिज़ो से

वैश्विक फैशन इस बात की पुष्टि करता है कि विरासत और शिल्प वर्ष 2026 की प्रमुख एवं सजग डिज़ाइन भाषा के रूप में उभर रहे हैं। ये सभी संकेत एक ही बदलाव की ओर इशारा करते हैं: विरासत को अब केवल स्मरण नहीं किया जा रहा, बल्कि सक्रिय रूप से पुनः अपनाया जा रहा है। पुनर्स्थापन (Restitution) से जुड़ी बहसें संग्रहालयों और राष्ट्रों को मूल स्वामित्व के प्रश्न का सामना करने के लिए बाध्य कर रही हैं, जबकि फैशन हाउस शिल्प और सांस्कृतिक विरासत को वर्ष 2026 की प्रमुख डिज़ाइन भाषा के रूप में अपना रहे हैं। जो जड़ें कभी केवल पृष्ठभूमि का हिस्सा मानी जाती थीं, वे अब स्वयं कहानी का केंद्र बन गई हैं—उनके स्वामित्व और अर्थ को लेकर विमर्श हो रहा है, उन्हें परिधानों में धारण किया जा रहा है और उन्हें सजगता के साथ डिज़ाइन में अभिव्यक्त किया जा रहा है।

बाज़ार परिदृश्य:



Fig. a.



Fig. b.



Fig. c.



Fig. d.

चित्र a. स्वाति कपूर : हस्तनिर्मित वस्त्र, “पंखों वाली वस्तु” की उपमा के माध्यम से कोमल कथात्मक अभिव्यक्ति **चित्र b. पूंगुझालि :** जड़ों से जुड़ा प्रेम कहानी के मूल भाव को प्रेरित करता है **चित्र c. टोरानी :** पटोला मित्थू तोता बैग, जिसमें विरासत-आधारित कढ़ाई पर विशेष जोर है **चित्र d. कल्कि :** विरासत से प्रेरित चयन और नव-पारंपरिक मुद्रित वस्त्रों का संगम

अंतर्दृष्टि संपादकीय

डिज़ाइन दिशानिर्देशः



Fig. e.



Fig. f.

चित्र e. ब्रोकेड पर कांचीपुरम एवं कोलम रूपांकनों का अन्वेषण

चित्र f. मुर्गी को तोते के रूप में पुनर्कल्पित करते हुए कसूती पर रूपांकन का अन्वेषण

रंग संयोजन की प्रेरणा अनुष्ठानों और धरती से गहराई से जुड़ी है—टेराकोटा, पुरानी हाथीदाँत-सी आभा, मंदिर-लाल, प्राचीन भूरा, सैप ग्रीन और गेंदे के फूल जैसा सुनहरा रंग, जिनके साथ चमेली-श्वेत और सिंदूरी कोरल बार-बार उभरने वाले प्रमुख रंग हैं। यह रंग-पैलेट केवल सौंदर्यबोध पर आधारित नहीं है, बल्कि पीढ़ियों से विरासत में मिले रंगों से निर्मित है—कुमकुम और दुल्हन के परिधानों के लाल रंग, धूप से तपे आंगनों के गेरुए रंग तथा केले के पत्तों और मंदिरों की हरियाली से प्रेरित हरे रंग इसमें समाहित हैं।

वस्त्रों की प्रस्तुति में पारंपरिक शिल्प तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया है। हथकरघा सूती तथा सूती-रेशम मिश्रित वस्त्र दैनिक अनुष्ठानिक परिधानों की सहज गरिमा को अभिव्यक्त करते हैं, जबकि पारदर्शी मलमल की परतों के माध्यम से उनके नीचे किए गए हैंड-ब्लॉक प्रिंट और चिकनकारी धागा-कढ़ाई स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

गोटा-पट्टी एप्लीक, ज़री कढ़ाई और टिश्यू-गोल्ड किनारी मंदिरों की स्वर्ण सज्जा तथा दुल्हन की पारंपरिक वेशभूषा की स्मृति को अभिव्यक्त करते हैं और बिना अत्यधिक चमक के वस्त्रों में स्पर्शनीय समृद्धि जोड़ते हैं। तोता रूपांकन अलंकरण का प्रमुख आधार है, जिसे धागे, गोटा या हाथ से बनाए गए स्याही चित्रण के माध्यम से उकेरा गया है। इसके साथ आम के पत्ते और कमल की कलियों वाली किनारियाँ भी शामिल हैं। कोलम और मांडना की रेखांकन शैली बारीक पाइपिंग अथवा सूक्ष्म जैक्वार्ड बनावट के रूप में उभरती है, जबकि चमेली की मालाओं से प्रेरित स्कैलपड किनारियाँ और लटकनयुक्त बॉर्डर इस शिल्पात्मक सौंदर्य को पूर्णता प्रदान करते हैं।

समग्र सामग्री एवं शिल्प की भाषा सहज, अनुष्ठानिक और शांत भाव वाली प्रतीत होती है, जो किसी निर्मित फैशन रुझान की अपेक्षा पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक शिल्प विरासत के अधिक निकट है।



Fig. g.



Fig. h.



Fig. i.

चित्र g. मैरून ब्रोकेड ब्लाउज़

चित्र h. पारंपरिक बुनाई से तैयार बंदगला जैकेट

चित्र i. तोते के आकार की लटकनों से सुसज्जित सैप ग्रीन अनारकली

अवलोकनः

भारतीय वस्त्र डिज़ाइन अब सामान्य “एथनिक फ्यूज़न” से आगे बढ़कर जड़ों से जुड़ी, क्षेत्रीय कहानी कहने की शैली की ओर अग्रसर हो रहा है, जो गढ़ी हुई होने के बजाय विरासत में मिली हुई प्रतीत होती है और प्रेरणा मूडबोर्ड्स के बजाय स्मृतियों से ग्रहण करती है। भारतीय आंगन की स्थानीय सांस्कृतिक शैली—जिसमें चूने से पुती दीवारें, टेराकोटा से बने आले, हाथ से चित्रित आराधना से जुड़े वस्तु-रूपांकन, चौखट पर बनाई गई ताज़ा रंगोली/कोलम की रेखाएँ तथा चमेली और गेंदे की फूल-मालाएँ शामिल हैं—एक ऐसी विशिष्ट सौंदर्यात्मक शब्दावली प्रस्तुत करती है, जो पूरी तरह भारतीय और स्थानीय परिवेश से उपजी हुई महसूस होती है।

इस पुनरुत्थान के केंद्र में तोता या किली (Parrot) रूपांकन है, जिसे भारतीय लघुचित्रकला, लोक कला और मौखिक लोककथाओं में लंबे समय से प्रेम, निष्ठा और प्रणय के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। इसकी प्रतिध्वनि मंदिरों के भित्तिचित्रों से लेकर दुल्हन के पारंपरिक वस्त्र-संग्रह तक, भक्तिमय चित्रणों और राजसी प्रेम-कथाओं में समान रूप से दिखाई देती है। अब यह रूपांकन रैप, दुपट्टे की किनारियों और ब्लाउज़ पैनलों पर केवल सजावटी तत्व के रूप में नहीं, बल्कि एक कथात्मक माध्यम के रूप में पुनः उभर रहा है, जो महज़ भरावदार प्रिंट के बजाय कहानी और भावनाओं को अभिव्यक्त करता है।

इसके साथ ही, हैंड-ब्लॉक वनस्पति प्रिंट और मंदिरों से प्रेरित पुष्प रूपांकन, जो कभी केवल दैनिक परिधानों तक सीमित थे, अब अवसर-आधारित परिधानों और घरेलू वस्त्रों—दोनों के लिए नए रूप में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इन्हें पारदर्शी दुपट्टों, गेदर की हुई कमर तथा सुनहरी टिश्यू किनारियों के साथ संयोजित किया जा रहा है। ये सभी तत्व मिलकर एक व्यापक “विरासत-आधारित रोमांटिक” सौंदर्यशैली की ओर संकेत करते हैं, जो मिट्टी से जुड़े रंगों, हस्तनिर्मित शिल्प और अपनी जड़ों की ओर लौटने के शांत एवं दृढ़ आग्रह पर आधारित है।



VISIONXT®
Intuition. Intelligence. Insight.

Download the full report on www.visionxt.in | Contact us for custom reports on visionxt@nift.ac.in

TSRS पोर्टल: अनिवार्य पंजीकरण एवं सांख्यिकीय विवरण प्रस्तुत करना

डिजिटल अनुपालन के माध्यम से वस्त्र क्षेत्रीय आँकड़ों को सुदृढ़ बनाना

पुनर्निर्मित वस्त्र सांख्यिकीय रिटर्न प्रणाली (TSRS), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के वस्त्र आयुक्त कार्यालय का एक एकीकृत, वेब-आधारित मंच है, जिसके माध्यम से वार्षिक सांख्यिकीय विवरण (ASR) तथा मासिक सांख्यिकीय विवरण (MSR) के माध्यम से वस्त्र मूल्य श्रृंखला के विभिन्न चरणों से सांख्यिकीय आँकड़े एकत्र किए जाते हैं।

पंजीकरण किसे करना अनिवार्य है?

TSRS पोर्टल पर पंजीकरण निम्नलिखित क्षेत्रों से जुड़े सभी वस्त्र हितधारकों एवं कपास व्यापारियों के लिए अनिवार्य है:

- कपास व्यापारी
- जिनिंग एवं प्रेसिंग
- कताई
- बुनाई/निटिंग एवं समेकित कताई
- प्रसंस्करण
- मानव-निर्मित रेशे
- मानव-निर्मित फिलामेंट यार्न
- सर्जिकल कॉटन
- ऊनी वस्तुएँ
- रेडीमेड परिधान (RMG) एवं मेड-अप्स
- तकनीकी वस्त्र

ASR एवं MSR प्रस्तुत करना अनिवार्य है

पंजीकृत हितधारकों के लिए TSRS पोर्टल के माध्यम से अपने लागू वार्षिक सांख्यिकीय विवरण (ASR) एवं मासिक सांख्यिकीय विवरण (MSR) प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

- ASR: आगामी वित्तीय वर्ष की 30 अप्रैल या उससे पहले प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- MSR: आगामी माह की 15 तारीख या उससे पहले प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- MSR प्रस्तुत करने की सुविधा वार्षिक सांख्यिकीय विवरण (ASR) प्रस्तुत किए जाने के बाद ही उपलब्ध होती है।

अनुपालन एवं दंड

सांख्यिकीय विवरणों का पंजीकरण एवं प्रस्तुतिकरण, सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम, 2008, यथासंशोधित सांख्यिकी संग्रहण (संशोधन) अधिनियम, 2017 तथा जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2023 के अंतर्गत वैधानिक दायित्व हैं। अनुपालन न किए जाने पर अधिनियम की धारा 15(1) एवं 15(2) के अंतर्गत वित्तीय दंड का प्रावधान है।

प्रस्तुत न करने पर दंड:

- व्यक्तिगत/अन्य: ₹1,000 तक
 - कंपनियाँ: ₹1,00,000 तक
- 14 दिनों से अधिक की देरी पर:
- व्यक्तिगत/अन्य: ₹1,000 प्रतिदिन तक
 - कंपनियाँ: ₹5,000 प्रतिदिन तक

ITADCs की भूमिका

ITADCs के लिए अपने-अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी पात्र वस्त्र हितधारकों एवं कपास व्यापारियों को TSRS पोर्टल पर पंजीकृत करना तथा उनके पंजीकरण और ASR एवं MSR प्रस्तुत करने संबंधी अनुपालन में सहायता प्रदान करना आवश्यक है।

पंजीकरण करें एवं अनुपालन सुनिश्चित करें

TSRS पोर्टल:

txcindia-stats.gov.in

TSRS हेल्पडेस्क:

फोन: +91-22-22001050

ई-मेल: tsctsr2@gmail.com

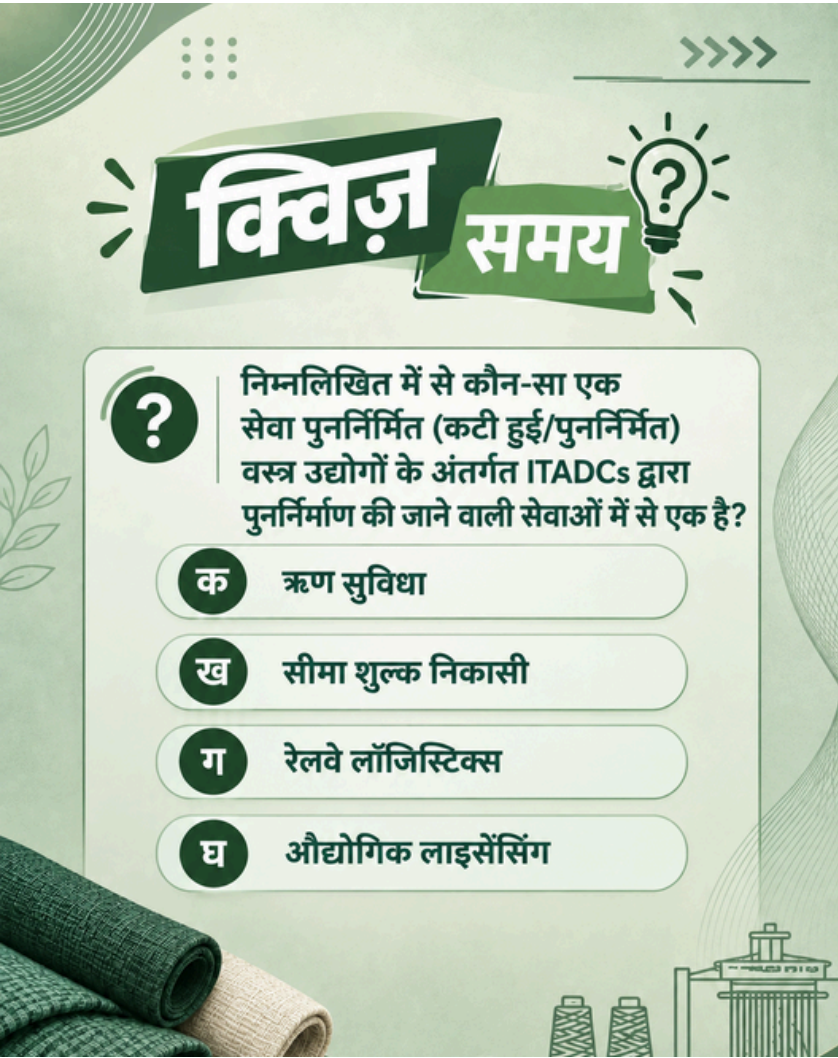
TSRS पर पंजीकरण करें → TUID प्राप्त करें → ASR प्रस्तुत करें → लागू MSR प्रस्तुत करें → अनुपालन सुनिश्चित करें



वेबसाइट पर जाने के लिए QR कोड स्कैन करें या लिंक कॉपी करें

पता :

txcindia-stats.gov.in



नवीनतम अपडेट, पहलों एवं वस्त्र क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी के लिए हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से वस्त्र आयुक्त कार्यालय से जुड़ें। हमसे जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें।

क्या आपका उत्तर सही था? उत्तर है : **घ**